



२०/११/२५

पञ्जावली पेशा हुई। कोई उपन्यास  
 आवाज लगाने गई। बावजूद कोई उपन्यास  
 बार-बार आवाज लगाने गई। एक पक्षी  
 पञ्जावली का नाम जानिरी। एक पक्षी के  
 खरीप की जाती है। फलाने शुभार है  
 नमस्ते कहें।